भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 3383

दिनांक 08.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

ब्राज़ील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

3383. **श्री ए. राजा:**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हाल ही में ब्राज़ील में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के क्या परिणाम रहे;

(ख) क्या शिखर सम्मेलन के दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, विश्व व्यापार संगठन आदि जैसी वैश्विक संस्थाओं में तत्काल सुधारों पर कोई ज़ोर दिया गया है और यदि हाँ, तो इस पर सदस्य देशों की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सदस्य देश के रूप में भारत की स्थिति क्या है; और

(घ) क्या भारत को परिषद का स्थायी सदस्य बनाने के लिए कोई कूटनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क से घ) हाल ही में 6-7 जुलाई 2025 को रियो डी जेनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का समापन रियो डी जेनेरियो घोषणापत्र, जलवायु वित्त पर ब्रिक्स लीडर्स के रूपरेखा घोषणापत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वैश्विक शासन पर ब्रिक्स लीडर्स के वक्तव्य और सामाजिक रूप से निर्धारित रोगों के उन्मूलन के लिए ब्रिक्स साझेदारी को अपनाने के साथ हुआ।

ब्राज़ील में 2025 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए "रियो डी जेनेरियो घोषणापत्र - अधिक समावेशी और सतत शासन के लिए ग्लोबल साउथ सहयोग को सुदृढ़ बनाना" ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, आईएमएफ, विश्व बैंक और विश्व व्यापार संगठन में व्यापक सुधार के लिए ब्रिक्स के समर्थन को दोहराया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों पर प्रासंगिक पैरा नीचे दिया गया है।

“6. 2023 जोहान्सबर्ग-II लीडर्स के घोषणापत्र को स्वीकार करते हुए, हम संयुक्त राष्ट्र, जिसमें इसकी सुरक्षा परिषद भी शामिल है, के व्यापक सुधार के लिए अपना समर्थन दोहराते हैं, ताकि इसे और अधिक लोकतांत्रिक, प्रतिनिधिक, प्रभावी और कुशल बनाया जा सके, और परिषद की सदस्यता में विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जा सके ताकि यह मौजूदा वैश्विक चुनौतियों का पर्याप्त रूप से सामना कर सके और ब्रिक्स देशों सहित अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के उभरते और विकासशील देशों की अंतर्राष्ट्रीय मामलों में, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र में, इसकी सुरक्षा परिषद सहित, एक बड़ी भूमिका निभाने की वैध आकांक्षाओं का समर्थन कर सके। हम एज़ुल्विनी सहमति और सिर्ते घोषणापत्र में परिलक्षित अफ्रीकी देशों की वैध आकांक्षाओं को मान्यता देते हैं। हम इस बात पर ज़ोर देते हैं कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार का उद्देश्य ग्लोबल साउथ की आवाज़ को बुलंद करना है। 2022 बीजिंग और 2023 जोहान्सबर्ग-II लीडर्स के घोषणापत्र को याद करते हुए, चीन और रूस, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में, संयुक्त राष्ट्र जिसमें उसकी सुरक्षा परिषद भी शामिल है, में एक बड़ी भूमिका निभाने की ब्राज़ील और भारत की आकांक्षाओं के प्रति अपना समर्थन दोहराते हैं। ”

इस प्रकार, घोषणापत्र में स्पष्ट रूप से भारत (ब्राजील के साथ) की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने की आकांक्षाओं का उल्लेख है।

भारत ने एक सुधारित और विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी स्थायी सदस्यता सुनिश्चित करने के लिए द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्तर पर पहल की है। भारत 4 देशों (जी4) (ब्राजील, भारत, जर्मनी और जापान) के समूह और एल.69 देशों के समूह के सदस्य के रूप में और साथ ही ग्लोबल साउथ सहित अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) प्रक्रिया में रचनात्मक रूप से शामिल है।

******